PRESIDENCY UNIVERSITY
KOLKATA

Department of Hindi
PRESIDENCY UNIVERSITY
U.G. Syllabus (CBCS)

Semester-I

HIND01C1

हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)
Hindi Sahitya Ka Itihas (Ritikal Tak)

हिन्दी साहित्य का आरम्भ	:	कब से और कैसे?
काल विभाजन और नामकरण	:	आदिकाल से आधुनिक काल तक
आदिकाल	:	सामान्य परिचय, प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियाँ सिद्ध, नाथ, जैन, रासो और लौकिक साहित्य के प्रमुख कवि, काव्य और विशेषताएं
भक्तिकाल	:	सामान्य परिचय, प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, निर्गुण एवं सगुण संप्रदाय, संत, सूफी, राम एवं कृष्ण धारा के प्रमुख कवि, काव्य और विशेषताएं
रीतिकाल	:	सामान्य परिचय, सामाजिक-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्यधारा के प्रमुख कवि, काव्य और विशेषताएं, श्रृंगारेतर कवि एवं काव्य

HIND01C2

19/09/2023
Head
Dr. Anindya Gangopadhyay
Department of Hindi
Presidency University, Kol-73

हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)
Hindi Sahitya Ka Itihas (Adhunik Kal)

आधुनिक काल	:	राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
हिंदी गद्य का विकास	:	स्वतंत्रता पूर्व हिंदी गद्य, स्वातंत्र्योत्तर हिंदी गद्य
हिंदी नवजागरण	:	प्रमुख विशेषताएं, बंगला नवजागरण से अन्तर्सम्बन्ध
भारतेन्दु युग	:	साहित्यिक विशेषताएं, भारतेन्दु मंडल
द्विवेदी युग	:	सरस्वती पत्रिका और हिंदी नवजागरण, राष्ट्रीय काव्यधारा और स्वच्छंदधारा के प्रमुख कवि
छायावाद	:	प्रमुख कवि और प्रमुख विशेषताएं
प्रगतिवाद	:	प्रमुख कवि और प्रमुख विशेषताएं
प्रयोगवाद	:	प्रमुख कवि और प्रमुख विशेषताएं
नई कविता	:	प्रमुख कवि और प्रमुख विशेषताएं

PRESIDENCY UNIVERSITY
KOLKATA

Department of Hindi
PRESIDENCY UNIVERSITY
P.G. Syllabus

Semester-II

HIND 0801

भाषा-विज्ञान

Bhasha Vigyan

1. भाषा की अवधारणा।
2. भाषा विज्ञान की परिभाषा।
3. भाषा विज्ञान की उपयोगिता।
4. भाषा विज्ञान की शाखाएँ।
5. भाषा सर्वेक्षण।
6. विश्व भाषा परिवार।
7. भारत में भाषा-चिन्तन।
8. भाषा-विज्ञान की पाश्चात्य परंपरा।
9. चॉमस्की की स्थापनाएँ।
10. संरचनात्मक भाषा-विज्ञान।
11. अनुप्रयुक्त भाषा-विज्ञान।
12. शैली विज्ञान।
13. कोश विज्ञान।

HIND 0802

हिन्दी नाटक

Hindi Natak

1. नाट्य और नाट्य शास्त्र
2. हिन्दी नाटक का विकास: भारतेंदु युग, प्रसाद युग, नया नाटक।
3. हिन्दी रंगमंच का विकास: पारसी थियेटर, इप्टा, अन्य रंग संस्थाएं, नुक्कड़ नाटक।
4. नाटक: भारतेंदु हरिश्चंद्र - अंधेर नगरी मोहन राकेश - आधे अधूरे

19/09/2023

Head
Dr. Anindya Gangopadhyay
Department of Hindi
Presidency University, Kol-73

PRESIDENCY UNIVERSITY
KOLKATA

Department of Hindi
PRESIDENCY UNIVERSITY
U.G. Syllabus (CBCS)

HIND04C10
हिंदी कहानी
Hindi Kahani

उसने कहा था	: चंद्रधर शर्मा गुलेरी
मुक्तिमार्ग	: प्रेमचंद
शरणागत	: वृन्दावनलाल वर्मा
गुण्डा	: जयशंकर प्रसाद
हार की जीत	: सुदर्शन
पत्नी	: जैनेन्द्र कुमार
तीसरी कसम	: फणीश्वरनाथ रेणु'
परिन्दे	: निर्मल वर्मा
दोपहर का भोजन	: अमरकांत
सिक्का बदल गया	: कृष्णा सोबती
चीफ़ की दावत	: भीष्म साहनी
तिरिछ	: उदयप्रकाश

HIND04SEC2A
अनुवाद: सिद्धान्त और प्रविधि
Anuvad: Siddhant Aur Pravidhi

- अनुवाद का अर्थ, स्वरूप एवं प्रकृति । अनुवाद कार्य की आवश्यकता एवं महत्त्व। बहुभाषी समाज में परिवर्तन तथा बौद्धिक-सांस्कृतिक आदान-प्रदान में अनुवाद कार्य की भूमिका।
- अनुवाद के प्रकार : शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद एवं सारानुवाद।
  अनुवाद-प्रक्रिया के तीन चरण - विश्लेषण, अंतरण, पुनरीक्षण एवं पुनर्गठन । अनुवाद की भूमिका के तीन पक्ष - पाठक की भूमिका (अर्थग्रहण की) विभाषिक की भूमिका (अर्थातंरण की प्रक्रिया) एवं रचयिता की भूमिका (अर्थसम्प्रेषण की प्रक्रिया) सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद की अपेक्षाएं।

- सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद और तकनीकी अनुवाद में अन्तर। गद्यानुवाद एवं काव्यानुवाद में संरचनात्मक भेद। किन्हीं दो अनूदित कृतियों का समीक्षात्मक अध्ययन
  i. 'गीतांजलि' का हिन्दी अनुवाद - हंस कुमार तिवारी
  ii. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल द्वारा हिन्दी में किया गया भावानुवाद 'विश्वप्रपंच की भूमिका'।
  iii. अज्ञेय द्वारा रवींद्रनाथ ठाकुर के उपन्यास गोरा का अनुवाद
  iv. निर्मल वर्मा द्वारा यान ओत्वेनासेक के चेक उपन्यास रोमियो जुलिएट और अंधेरा का अनुवाद
- साहित्यिक पत्रकारिता में अनुवाद की भूमिका।
- कार्यालयी अनुवाद : राजभाषा नीति की अनुपालन में धारा 3(3) के अन्तर्गत निर्धारित दस्तावेजों का अनुवाद। शासकीय पत्र/ अर्धशासकीय पत्र/ परिपत्र (सर्कुलर)/ ज्ञापन (प्रजेंटेशन)/ कार्यालय आदेश। अधिसूचना/ संकल्प-प्रस्ताव (रेज्योलूशन)/ निविदा-संविदा/ विज्ञापन।
- पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण के सिद्धान्त, कार्यालय, प्रशासन विधि, मानविकी बैंक एवं रेलवे में प्रयुक्त होने वाले प्रमुख पारिभाषिक शब्दावली तथा प्रमुख वाक्यांश के अंग्रेजी तथा हिन्दी रूप।
- पारिभाषिक शब्दावली तथा प्रमुख वाक्यांश

19/09/2023
Head
Dr. Anindya Gangopadhyay
Department of Hindi
Presidency University, Kol-73

PRESIDENCY UNIVERSITY
KOLKATA

Department of Hindi
PRESIDENCY UNIVERSITY
U.G. Syllabus (CBCS)

Semester-V

HIND05C11

हिंदी नाटक एवं एकांकी
Hindi Natak Evam Ekanki

नाटक

अंधेर नगरी	: भारतेंदु हरिश्चन्द्र
ध्रुवस्वामिनी	: जयशंकर प्रसाद
आषाढ़ का एक दिन	: मोहन राकेश
माधवी	: भीष्म साहनी

एकांकी

औरंगजेब की आखिरी रात	: रामकुमार वर्मा
विषकन्या	: गोविन्द बल्लभ पंत
और वह जान सकी	: विष्णु प्रभाकर
भोर का तारा	: जगदीशचंद्र माथुर

19/09/2023
Head
Dr. Anindya Gangopadhyay
Department of Hindi
Presidency University, Kol-73

HIND05C12

हिंदी निबंध एवं अन्य गदय विधाएँ
Hindi Nibandh Evam Anya Gadya Vidhayen

सरदार पूर्ण सिंह	- मजदूरी और प्रेम
रामचन्द्र शुक्ल	- करुणा
हजारी प्रसाद द्विवेदी	- देवदारु
विद्यानिवास मिश्र	- मेरे राम का मुकुट भीग रहा है
शिवपूजन सहाय	- महाकवि जयशंकर प्रसाद
रामवृक्ष बेनीपुरी	- रजिया
डॉ. नगेन्द्र	- दादा स्वर्गीय बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'
माखनलाल चतुर्वेदी	- तुम्हारी स्मृति
विष्णुकांत शास्त्री	- ये हैं प्रोफेसर शशांक
हरिशंकर परसाई	- प्रेमचंद के फटे जूते
निर्मल वर्मा	- धुन्ध से उठती धुन (अंश)
शिवरानी देवी	- मैं लुट गयी (प्रेमचंद घर में)